देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 14 अंक: 359 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...हिंदी हुई ग्लोबल थैंक्स ट्रम्प!

पेज थ्री

देहरादून, शुक्रवार, 20 मार्च 2020

मौसम अधिकतम 27.0° न्यूनतम 15.0°

28288.23 | 2 भारतीयों के लिए रोना बना कोरोना | 7 कोरोना से जंग का टेस्ट क्रिकेट तरीका

संक्षिप्त समाचार

कोरोना के तीन संदिग्ध दून अस्पताल में भर्ती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) देहरादून। दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कोरोना से संक्रमित ट्रेनी आईएफएस की हालत अब सामान्य है। तीन कोरोना संदिग्धों को गुरुवार को दून अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कोरोना से संक्रमित ट्रेनी आईएफएस की हालत अब सामान्य है। विशेषज्ञ चिकित्सक उनकी देखरेख में जुटे हैं। अस्पताल में भर्ती आठ संदिग्ध मरीजों का भी स्वास्थ्य सामान्य है। कोरोनेशन अस्पताल में बने आइसोलेशन वार्ड में भर्ती पाचं कोरोना के संदिग्ध छात्रों की हालत भी सामान्य है। दून अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर एनएस खत्री के मुताबिक अस्पताल में आठ संदिग्ध भर्ती हैं।

कोरोना से पंजाब में हुई पहली मौत, देश में कुल 4

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) चंडीगढ़। कोरोना वायरस के चलते देशभर में मरने वालों की संख्या अब चार हो गई है। पंजाब के नवांशहर जिले के एक अस्पताल में 72 वर्षीय शख्स की जान चली गई। बताया गया कि यह शख्स कोरोना वायरस की जांच में संक्रमित पाया गया था। भारत में कोरोना वायरस के मामलों की संख्या अब तेजी से बढ़ रही है। अब तक कुल 180 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय विमानों के भारत में प्रवेश पर पाबंदी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के मामलों की बढ़ती संख्या पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने इस रविवार से लेकर अगले एक सप्ताह तक तमाम अंतरराष्ट्रीय विमानों के भारत में प्रवेश को प्रतिबंधित करने का फैसला किया है। केंद्र ने बयान में कहा, 22 मार्च, 2020 से लेकर अगले एक सप्ताह तक किसी भी शेड्यूल इंटरनैशनल कमर्शल फ्लाइट को भारत में प्रवेश करने की इजाजत नहीं होगी।

देशवासियों के कुछ सप्ताह चाहिए

पीएम मोदी ने की 22 मार्च को जनता कर्फ्यू की अपील

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के कारण देश कठिन दौर से गुजर रहा है। इस वैश्विक महामारी से खतरे के मद्देनजर प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार रात को देशवासियों को संबोधित किया। उन्होंने लोगों से सोशल डिस्टेंसिंग की अपील की है। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से अपील की है कि जितना संभव हो वे घरों से निकलने से बें। उन्होंने रविवार को जनता कर्फ्यू की अपील की है, यानी जनता खुद ही खुद को ऐसे आइसोलेट करने की कोशिश करे, जैसे कर्फ्यू में होता है। पूरा विश्व इस समय संकट के बहुत बड़े गंभीर दौर से गुजर रहा है। आम तौर पर कभी जब कोई प्राकृतिक संकट आता है तो वो कुछ राज्यों या देशों तक सीमित रहता है। लेकिन इस बार यह संकट ऐसा है, जिसने विश्वभर

■कोरोना पर विजय को पीएम मोदी ने छेड़ी जंग

में पूरी मानव जाति को संकट में डाल दिया है। जब प्रथम विश्व युद्ध हुआ था, जब द्वितीय विश्व युद्ध हुआ था तब भी इतने देश युद्ध से प्रभावित नहीं हुए थे, जितने आज कोरोना की बीमारी से हैं। पिछले 2 महीने से हम निरंतर दुनियाभर से आ रहे कोरोना वायरस से जुड़ीं चिंताजनक खबरें देख रहे हैं, सुन रहे हैं। इन दो महीनों में भारत के 130 करोड़ नागरिकों ने कोरोना जैसी वैश्विक महामारी का डटकर मुकाबला किया। सभी ने सावधानियां बरतने का भरसक प्रयास भी किया है। लेकिन बीते कुछ दिनों से ऐसा लग रहा है, माहौल बन रहा है कि हम संकट से बचे रहेंगे। निश्चिंत हो जाने की यह सोच सही नहीं है। इसलिए

प्रत्येक भारतवासी का सजग रहना, सतत रहना बहुत आवश्यक है।

आपसे मैंने जब भी और जो भी मांगा है, देशवासियों ने निराश नहीं किया है। हम सभी मिलकर अपने निर्धारित लक्ष्यों की तरफ आगे बढ़ रहे हैं। आज हम 130 करोड़ देशवासियों से कुछ मांगने आए हैं।

मुझे आपसे आपके आने वाले कुछ सप्ताह चाहिए, आने वाला कुछ समय चाहिए। रविवार को यानी जनता कर्फ्यू के दिन शाम के ठीक 5 बजे हम अपने-अपने घर के दरवाजों पर या खिड़कियों, बॉलकनी में खड़े होकर 5 मिनट तक ऐसे लोगों का आभार व्यक्त करें। और आभार कैसे व्यक्त करेंगे- ताली बजाकरके, थाली बजाकरके, घंटी बजाकरके हम उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करें।

हॉस्पिटलों पर दबाव बढ़ना नहीं चाहिए

संकट के इस समय में आपको यह भी ध्यान रखना है कि हमारी आवश्यक सेवाओं पर, हमारे हॉस्पिटलों पर दबाव बढ़ना नहीं चाहिए ताकि हमारी हॉस्पिटल की व्यवस्थाओं को, हमारे डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ को इस महामारी के लिए प्राथमिकता देने की सुविधा बने। और इसलिए मेरा आग्रह है कि रूटीन चेकअप के लिए अस्पताल जाने की आदत से बचना चाहिए।

कोविड-19 इकनॉमिक रिस्पॉन्स टास्क फोर्स बनाने का फैसला

सरकार ने केंद्रीय वित्त मंत्री के नेतृत्व में एक कोविड-19 इकनॉमिक रिस्पॉन्स टास्क फोर्स बनाने का फैसला किया है। यह टास्क फोर्स सभी स्टेकहोल्डर्स से फीडबैक लेते हुए, हर परिस्थिति का आंकलन करते हुए निकट भविष्य में फैसले लेगी। संकट के इस समय में मेरा देश के व्यापारी जगत, उच्च आय वर्ग से आग्रह है कि अगर संभव हो तो आप जिन-जिन लोगों से सेवाएं लेते हैं, उनके आर्थिक हितों का ध्यान रखें। ऐसे में उनका वेतन न काटें।

7 साल, 3 माह, 3 दिन बाद सुबह होगा इंसाफ!

चारों दोषियों के पास नहीं है कोई कानूनी विकल्प

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। लंबे वक्त से कानून के साथ आंखमिचौली का खेल खेल रहे निर्भया गैंगरेप और मर्डर केस के चारों दोषियों की फांसी अब पक्की हो चुकी है। शुक्रवार सुबह साढ़े 5 बजे चारों दोषियों को तिहाड़ जेल में फांसी दी जाएगी। फांसी से एक दिन पहले भी दोषियों के वकील ने इसे टालने के लिए हर तरह की पैंतरेबाजी करते रहे, लेकिन कुछ काम नहीं आया। पटियाला हाउस कोर्ट ने भी दोषियों के डेथ वॉरंट पर रोक लगाने से इनकार किया। आखिरकार सात साल, तीन महीने तीन दिन बाद निर्भया के गुनहगार अपने असल अंजाम तक पहुंचने वाले हैं। आइए बताते हैं कि दोषियों ने आखिरी वक्त तक किस तरह फांसी को टालने की किस तरह कोशिश की।

पवन का नाबालिग दांव भी फेल

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को निर्भया के दोषी पवन गुप्ता की क्यूरेटिव पिटिशन खारिज कर दी। कोर्ट ने वारदात के वक्त पवन के नाबालिग होने की दलील को ठुकरा दिया। इसके साथ ही पवन का आखिरी दांव फी फेल हो गया। जस्टिस एन.वी. रमण के नेतृत्व में 6 जजों की एक पीठ ने उसकी याचिका खारिज करते हुए कहा कि यह कोई मामला नहीं बनता।

निचली अदालत ने डेथ वॉरंट पर रोक से इनकार किया

दोषियों ने दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में याचिका दाखिल कर डेथ वॉरंट पर रोक लगाने की मांग की थी। हालांकि, कोर्ट ने डेथ वॉरंट पर रोक लगाने से साफ इनकार कर दिया। अडिशनल सेशंस जज धर्मेंद्र राना ने अक्षय, पवन और विनय की तरफ से डेथ वॉरंट पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया।

दया याचिका खारिज होने को दोषी अक्षय ने दी चुनौती: चारों दोषियों- मुकेश, पवन, अक्षय और विनय के पास कोई लाइफलाइन नहीं बची थी यानी उनके सभी कानूनी विकल्प समाप्त हो चुके थे। इसके बाद भी अक्षय की तरफ से उसके वकील एपी सिंह ने दया याचिका खारिज किए जाने को गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। एपी सिंह ने कोर्ट से कहा कि दया याचिका के खारिज होने से अक्षय से जुड़े तमाम लोग प्रभावित होंगे। कोर्ट ने इस दलील को खारिज कर दिया।

राज्यसभा में हंगामे के बीच रंजन गोगोई का शपथ ग्रहण

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई ने गुरुवार को राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। इस दौरान विपक्षी दलों ने जमकर हंगामा किया और शेम..शेम के नारे लगाए। गोगोई की शपथ के विरोध में कांग्रेस ने सदन से वॉकआउट कर दिया। गुरुवार को पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई शपथ लेने के लिए जैसे ही निर्धारित स्थान पर पहुंचे, विपक्षी सदस्यों ने नारे लगाने शुरू कर दिए। देश के 46वें सीजेआई रहे गोगोई के शपथग्रहण के दौरान ही कांग्रेस ने सदन से वॉकआउट कर दिया। विपक्षी सांसदों के इस बर्ताव को सभापति एम. सभपति वेंकैया नायडू ने असंतोषजनक बताया है।

प्रेजिडेंट कोविंद ने किया था नामित: तीन अक्टूबर 2018 से 17 नवंबर 2019 तक देश के मुख्य न्यायाधीश के पद पर रहने वाले गोगोई को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राज्यसभा के लिए नामित किया था। विपक्ष के हंगामे के बाद केंद्रीय

दुखद

विपक्षी दलों ने किया जमकर हंगामा, कांग्रेस का वॉकआउट

मंत्री रविशंकर प्रसाद ने संसद में कहा कि राज्यसभा की परंपरा रही है कि यहां प्रतिष्ठित लोग सदस्य बने हैं। उन्होंने कहा कि सीजेआई रहे गोगोई भी निष्पक्ष रूप से राज्यसभा में अपनी बात रखेंगे।

सरकार कर रही न्यायपालिका पर आघात: आपको बता दें कि कांग्रेस ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई को राज्यसभा के लिए नामित करने पर इसे संविधान और लोकतंत्र पर हमला करार दिया था। कांग्रेस ने कहा था कि केन्द्र की बीजेपी सरकार लगातार नीति और सिद्धांतों को तार-तार करने में लगी है। कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया जाना न्यायपालिका पर आघात है। यह जानना भी जरूरी है कि देश में पहले भी चीफ जस्टिस के पद से रिटायर जजों को राज्यसभा भेजा जाता रहा है।

Are you Planning to make a Website or already have ?

If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Gadoli Media Ventures

Contact: Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

शिवराज छीनेंगे 'कमल' का ताज

सुको ने आज पांच बजे तक फ्लोर टेस्ट कराने का दिया आदेश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में आज फ्लोर टेस्ट होगा। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि 20 मार्च को शाम पांच बजे फ्लोर टेस्ट कराया जाए। राज्य के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर फ्लोर टेस्ट कराने की मांग की थी और कहा था कि 22 विधायकों ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है और सरकार अल्पमत में है लिहाजा फ्लोर टेस्ट कराया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश के स्पीकर को सुझाव दिया है कि क्या वह बागी एमएलए से विडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बात करेंगे।

कोर्ट इसके लिए एक ऑब्जर्वर नियुक्त कर सकता है। हालांकि स्पीकर की ओर से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने इस सुझाव को खारिज कर दिया।

दो दिन की लंबी सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने फैसला दिया है कि विधानसभा में आज शाम के वक्त फ्लोर टेस्ट कराया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्देश में कहा है कि मीटिंग का एक सूत्री एजेंडा फ्लोर टेस्ट होगा।